better tax administration or because of change in the Sales Tax rates. But I don't think the answer is that the Sales Tax is better than VAT. Clearly, and believe me, universally, it is accepted that VAT is **a** much better tax than Sales Tax. And, I would urge Uttar Pradesh to switchover to VAT as soon as possible.

Resettlement of families affected due to Sardar Sarovar Dam

*543. SHRIMATI HEMAMALINI:††
SHRI TARIQ ANWAR:

Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have decided to raise the height of Sardar Sarovar Dam across the Narmada in Gujarat over 11 meters;

(b) if so, the number of villages/people expected to be affected;

(c) whether Government have taken necessary steps for resettlement and rehabilitation of those affected families; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (PROF. SAIF-UD-DIN SOZ): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House:

Statement

(a) As per the directions issued by the Hon'ble Supreme Court of India in its judgement of 18th October, 2000, the Narmada Control Authority (NCA) is to accord permission to raise the height of the Sardar Sarovar Dam for its construction as per the Narmada Water Disputes Tribunal Award (NWDT), in stages, *pari-passu* with the implementation of the relief and rehabilitation and on the clearance given by the Resettlement and Rehabilitation Sub-group and Environment, Sub-group of NCA. Accordingly, NCA in its meeting held on 8th March, 2006 after taking into account the recommendations of both of its Sub-groups and the assurances of all the party States, decided to accord permission to raise the height of dam in the spillway portion from elevation level (EL) 110.64 metre to EL 121.92 metre as per the approved design.

†† The question was actually asked on the floor of the House by Shrimati Hema Malini.

(b) The backwater level for flood of one in hundred year frequency at dam height EL 121.92 metre is likely to affect 226 villages and 31,500 families in the States of Gujarat, Madhya Pradesh and Maharashtra.

(c) and (d) As per the action taken report submitted by the State Governments of Gujarat, Madhya Pradesh and Maharashtra and sample verification done by NCA, the Grievances Redressal Authority of the respective States has given opinion of satisfactory compliance for the relief and rehabilitation provided to the Project Affected Families upto dam EL 121.92 metre as mandated in the NWDT Award and Supreme Court judgement of 18th October, 2000.

श्री तारिक अनवरः सभापति महोदय, नर्मदा नदी पर सरदार सरोवर बांध को लेकर देश में काफी राजनैतिक पारा ऊपर चढ़ा था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल अपने फैसले से इस गर्मी को रोकने की कोशिश की है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में यह निर्देश दिया है कि निर्माण के साथ-साथ पुनर्वास का भी काम होना चाहिए। अगर पुनर्वास का काम नहीं होगा, तो सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का संकेत भी दिया है कि निर्माण कार्य को रोका जा सकता है।

सभापति महोदय, आज की तारीख में आंदोलनकारी निर्माण का विरोध नहीं कर रहे हैं, वे पुनर्वास की बात कर रहे हैं। लाखों तादांद में बेरोजगार किसान हैं, अनपढ़ गरीब लोग हैं, आज वे बेघर हो गये हैं, उनको बसाने की बात कही जा रही है और जब भी वे सरकार के पास इस मुद्दे को लेकर जाते हैं, तो सरकार की ओर से यह कहा जाता है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का पालन कर रही है। सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं और जैसा कि इन्होंने अपने उत्तर में भी कहा है कि नर्मदा कंट्रोल अर्थोरिटी ने उन तमाम रिकमेंडेशन्स को माना है जो स्टेट की तरफ से रिकमेंडेशन्स आए थे और उनको मानते हुए जो बांध को रेज करने की बात है, तो 110.64 मीटर्स से बढ़ाकर , 121.92 मीटर्स करने की बात अथॉरिटी ने स्वीकार कर ली है। लेकिन खुद मंत्री जी ने एक बार अपने बयान में कहा था कि यह प्रिमेच्योर्ड है क्योंकि जब तक पुनर्वास का काम पूरा न हो और इस बात को स्वीकार ....(**व्यवधान**)....

श्री सभापति : आप क्वेश्चन करिए।

श्री तारिक अनवरः महोदय, यही मेरा सवाल है और मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि इस दिशा में सरकार क्या क्दम उठा रही है?

प्रो0 सैफुद्दीन सोज़ः जनाब, मैं आपके माध्यम से ऑनरेबल मैंम्बर को यह बताना चाहता हूं कि 8 मार्च को नर्मदा कंट्रोल अथॉरिटी ने अपनी 76वीं इमरजेंसी मीटिंग में यह फैसला लिया कि नर्मदा बांध को 110 मीटर से 121.92 मीटर तक ....(**व्यवधान**)...

†**پرو فیسر سیف الدین سوز:** جناب ، میں آپ کے مادھیم سے آنریبل ممبر کو یہ بتانا چاہتا ہوں کہ ۸ مارچ کونرمدا کنٹرول اتھارٹی نے اپنی ۷٦ ویں ایمر جنسی میٹنگ نے یہ فیصلہ لیا کہ نرمدا باندھ کو ۱۱۰ میٹر سے ۱۲۱.۹۲ میٹر تک ...مداخلت...

श्री तारिक अनवरः नहीं वह तो ठीक हैं, लेकिन ....(**व्यवधान**)...

प्रो0 सैफुद्दीन सोजः बढ़ने दिया जाए। जब आप यह याद दिलाते हैं कि मैंने उस वक्त यह कहा था, मेरा इमिडिएट रिएक्शन था, क्योंकि एक रिव्यू कमेटी है। ये इदारे तो जो सुप्रीम कोर्ट और ट्रिब्यूनल है, ये उनके आदेश के मुताबिक बने है। नर्मदा कंट्रोल अथॉरिटी के सरबरा, वाटर रिसोर्सेज मिनिस्ट्री के सेक्रेटरी होते हैं, तो उस मौके पर रिव्यू कमेटी के चेयरमैन की हैसियत से और देश के सामने जिम्मेदारी की हैसियत से , मैंने उस वक्त यह माना कि यह प्रिमैच्योर है। लेकिन हम तो एक जम्हूरी मुल्क हैं, इधर बड़े इदारे हैं, पार्लियामेंट हैं, जुडिशियरी है, पूरा समाज है। उस दौरान आंदोलन भी था। इसलिए नर्मदा कंट्रोल अथॉरिटी के बाद रिव्यू के बारे में सोचा गया और रिव्यू तो खुद गुजरात ने भी मांगा था और उसके बाद रिव्यू में जब तय हुआ, तो कानून के मुताबिक वजीरे आजम को उस वक्त फैसला लेना था और मैं इस सदन में यह कहना चाहता हूं ....(**व्यवधान**)... मुझे बताने दीजिए, आप आराम से सुन लें। उस वक्त वजीरे आजम ने देश के लिए अपनी ड्यूटी की, पहले भी की थी। जब आंदोलन उठा तो वहां तीन मंत्रियों को भेज दिया था। मेरे साथ मीरा कुमार जी गई थीं और पृथ्वीराज चौहान गए थे। हमने जो देखा, हमने वजीरे आजम के सामने रखा। अब कोर्ट के सामने है और इस सदन के सामने है। वजीरे आजम ने नेशन के लिए दूसरी ड्यूटी यह की कि जब 8 मई को सुप्रीम कोर्ट के पास मसला आया, आंदोलन जारी था और वे लोग सुप्रीम कोर्ट्के सामने गए थे, वजीरे आजम ने भी अपनी तरफ से वकील खड़ा कर दिया। ....(**व्यवधान**)... यह बताने की कोशिश की हम पुनर्वास के लिए....(**व्यवधान**)...

†**پرو فیسر سیف الدین سوز:** بڑھنے دیا جائے۔ جب آپ یہ یاد دلاتے ہیں کہ میں نے اس وقت یہ کہا تھا، میرا امیجئیٹ رئکشن تھا، کیوں کہ ایک ریویو کمیٹی ہے۔ یہ ادارے تو سپریم کورٹ اور جوٹر بیونل ہیں، ان کے آدیش کے مطابق بنے ہیں۔ نرمدا کنٹرول اتھارٹی کے سر براہ، واٹر رسورسز منسٹری کے سیکریٹری ہوتی ہیں، تو اس موقع پر ریویو میٹی کے چیئر مین کی حیثیت سے اور دیش کے سامنے ذمہ داری کی حیثیت سے، میں نے اس وقت یہ مانا کہ ایک پری میچیور ہے۔ لیکن ہم تو ایک جمہوری ملک میں ہیں، ادھر بڑے ادارے ہیں، پارلیمنٹ ہیں، جیوڈیشری ہے، پورا سماج ہے۔ اس دوران آندولن بھی تھا۔ اس لئے نرمدا کنٹرول اتھارٹی کے بعد ریویو کے بارے میں

†[]Transliteration in Urdu Script.

سوچا گیا اور ریویو تو خود گجرات نے بھی مانگا تھا اور اس کے بعد ریویو میں جب ملے ہوا، تو قانون کے مطابق وزیراغظم کو اس وقت فیصلہ لینا تھا اور میں اس سدن میں یہ کہنا چاہتا ہوں ...مداخلت... مجھے بتانے دیجئے، آپ آرام سے سن لیں۔ اس وقت وزیراعظم نے دیش کے لئے اپنی ڈیوٹی کی، پہلے بھی کی تھی، جب آندولن اٹھا تو وہاں تین منتریوں کو بھیج دیا تھا۔ میرے ساتھ میرا کمار جی گئی تھیں اور پرتھوی راج چوہان گئے تھے۔ ہم نے جو دیکھا، وہ ہم نے وزیراعظم کے سامنے رکھا۔ اب کورٹ کے سامنے ہے اور اس سدن کے سامنے ہیں۔ وزیراعظم نے نیشن کے لئے دوسری ڈیوٹی یہ کہ جب ۸ مئی کو سپریم کورٹ کے پاس مسئلہ آیا، آندولن جاری تھا اور وہ لوگ سپریم کورٹ کے سامنے گئے تھے، وزیراعظم نے بھی اپنی طرف سے وکیل کھڑا کر دیا ...مداخلت... یہ بتانے کی کوشش کی ہم پنرواس کے لئے ...مداخلت...

श्री सभापतिः इतनी डिटेल्स में जाने की जरूरत नहीं है ....(**व्यवधान**)... स्ट्रेट वे में जवाब दीजिए। ....(**व्यवधान**)...

श्री तारिक अनवरः सर, बहुत महत्वपूर्ण सवाल है। ....(**व्यवधान**)...

प्रो0 सैफुद्दीन सोज़ः पुनर्वास के काम में सुप्रीम कोर्ट को वजीरे आजम की तरफ से यह बताया गया कि हम एक कमेटी मुकर्रर करना चाहते हैं, उसमें तीन नाम थे, एक

SH.V.H.Shunglu ....(**व्यवधान**)...

†[**پروفیسر سیف الدین سوز:** پنرواس کے کام میں سپریم کورٹ کو وزیراعظم کی طرف سے یہ بتایا گیا کہ ہم ایک کمیٹی مقرر کرنا چاہتے ہیں، اس میں تین نام تھے، ایک شری وی۔ کے۔ شنگھلو ...مداخلت...]

श्री सभापतिः आप नाम बता रहे है तो उनके गांव का पता भी बता दीजिए। ....(**व्यवधान**)... आप जबरदस्ती ...।

†[] Transliteration in Urdu Script.

प्रो0 सैफुद्दीन सोज़: पुनर्वास के काम को कमेटी देखेगी, सुप्रीम कोर्ट को यह बताया गया। उन्होंने मान लिया और वह कमेटी बनी मध्यम प्रदेश में वह पुनर्वास के काम को बडी गहराई से देखेगी।

پرو فیسر سیف الدین سوز: پنرواس کے کام کو کمیٹی دیکھے گی، سپریم کورٹ کو یہ بتایا گیا، انہوں نے مان لیا اور وہ کمیٹی بنی اور مدھیہ پردیش میں وہ پنرواس کے کام کو بڑی گہارائی سے دیکھے گی۔

श्री सभापति: बस ठीक है।

श्री तारिक अनवर: सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने रिव्यू कमेटी के बारे में कहा है, इसलिए मैं उनसे उस रिव्यू कमेटी की पूरी जानकारी चाहूंगा, चूंकि समय का अभाव है इसलिए उसको सदन के पटल पर रख दिया जाए तो अच्छा रहेगा, ताकि लोगों को जानकारी हो जाएगी कि रिव्यू कमेटी की क्या रिकमेंडेशन्स हैं। मेरा दूसरा सवाल है कि अब मानसून आने वाला है, मंत्री जी इस बात का दावा कर रहे हैं कि कुछ पुनर्वास का काम हुआ है, लेकिन जो हमें जानकारी है, उसके अनुसार अभी तक उस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। मानसून के आने के समय में, इन्होंने संख्या दी है कि लगभग 21500 फैमिलीज, इस निर्माण के कार्य से प्रभावित होगी, तो उस दिशा में उनको बसाने के लिए, मानसून से पहले उनकी सुरक्षा के लिए सरकार ने क्या व्यवस्था की है ?

प्रो0 सैफुद्दीन सोज़: पुनर्वास के काम में मध्य प्रदेश के बारे में, कुछ grey areas के बारे जो शिकायते हैं, उनके बाल पर सुप्रीम कोर्ट ने इस कमेटी को माना है, जिसके सरवरा Shrii V.K. Shunglu साहब हैं। दूसरे मेंबर्स है—प्रो0 जी0 के0 चड्ढ़ा, जो Jawahar Lal Nehru University के formaer Vice Chancellor हैं, डा0 जय प्रकाश नारायण भी इसके मेंबर हैं, जो एक NGO लोकसत्ता के मेंबर है। Latest situaton यह है कि 30 जून तक ये लोग देखेंगे कि पुनर्वास का काम कैसे हुआ है। इसके लिए ये 50 टीमें बनाएंगे , इससे ज्यादा भी बना सकते हैं ....(**व्यवधान**)... पुनर्वास के लिए जो sites हैं, वहां पर जाकर ये पुनर्वास का काम देखेंगे और जो project से affeted families है, उनसे मिलेंगे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक ऐसी 86 sites हैं, जहां उनको बसाया जाना चाहिए। ये लोग उन sites पर जाएंगे और वापस आकर वे 30 जून को सारी स्थिति सुप्रीम कोर्ट के सामने रखेंगे। हमको भी मालूम होगा और हम भी सदन के सामने सारी जानकारी लेकर आएंगे। इस तरह पुनर्वास का काम देखने की जिम्मेदारी उनको दी गई है।

†[] Transliteration in Urdu Script.

†**پرو فیسر سیف الدین سوز:** پنرواس کے کام میں مدھیہ پردیش کے بارے میں، کچھ grey areas کے بارے جو شکایتیں ہیں، ان کے بل پر سپریم کورٹ نے اس کمیٹی کو مانا ہے ، جس کے سربراہ شری وی۔کے۔شنگھلو صاحب ہیں۔ دوسرے ممبرس ہیں پرو فیسر جی۔کے۔ جڈھا، جو جواہر لال نہرو یونیورسٹی کے فارمر وائس چانسلر ہیں، ڈاکٹر جے پرکاس نرائن بھی اس کے ممبر ہیں، جو ایک این۔جی۔او۔لوی ستہ کے ممبر ہیں۔ لاٹیسٹ سچویشن یہ ہے کہ ۳۰ جون تک ، یہ لوگ دیکھیں گے کہ پنر واس کا کام کیسے ہوا ہے۔ اس کے یہ ۵۰ ٹیمیں بنائیں گے، اس سے زیادہ بھی بنا سکتے ہیں ...مداخلت... پنرواس کے لئے جو سائٹس ہیں، وہاں پر جاکر یہ پنرواس کا کام دیکھیں گے اور جو پروجیکٹ سے افیکٹڈ فیملیز ہیں، ان سے ملیں گے۔ سپریم کورٹ کے آدیش مطابق ایسی ۸٦ سائٹس ہیں، جہاں ان کو بسایا جانا چاہئے۔ یہ لوگ ان سائٹس پر جائیں گے اور واپس آکر وہ ۳۰ جون کو ساری استھی سپریم کورٹ کے سامنے رکھیں گے۔ ہم کو بھی معلوم ہوگا اور ہم بھی سدن کے سامنے ساری جانکاری لے کر آئیں گے۔ اس طرح پنر واس کا کام دیکھنے کی ذمہ داری ان کو دی گئی ہے

SHRI MANOHAR JOSHI: Mr. Chairman, Sir, this is a very important question which has been raised in the House. The question of resettlement has been raised, from time to time. The rehabilitation has been done, from time to time, by all the States, including the State of Maharashtra. I have personally visited the resettlement sites in Maharashtra, and I found that the resettlement has been done in a manner in which the agitators wanted it. But, Sir, this is very unfortunate that some foreign elements which do not want development in the country are instigating the people...*(Interruptions)*... I am prepared to explain, when I say anything, it is not that I am just speaking in air. Sir, there are some foreign elements... *(Interruptions)*...

श्री तारिक अनवर: क्या बात कह रहे हैं ....(**व्यवधान**)...

SHRI PENUMALLI MADHU: Which are those foreign elements?. ..*(Interruptions)*...

† []Transliteration in Urdu Script.

श्रीमती वृंदा कारतः जितने आदिवासी हैं, वह सब foreigners है, सभी आदिवासी, विदेशी हैं ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : बोलने दीजिए।

SHRI MANOHAR JOSHI: Sir, the progress of the Narmada Project -is being held up on several occasions due to political interests and also foreign elements...*(Interruptions)*... Therefore, my question is very simple. I want to know from the hon. Minister whether the Government would like to investigate this matter, and find out such countries which are not interested in the development of our country. I would also like to know whether the agitation would be stopped by giving due alternative accommodation to the affected people. I have absolutely no objection on that... *(Interruptions)*...

SHRIMATI BRINDA KARAT: Tell us the names of these foreign countries...*(Interruptions)*... Which are those foreign elements?

SHRI MANOHAR JOSHI: Sir, the foreign country which I am referring to is the United States of America. They are trying to create problems there. They are helping the agitators sometimes. They are trying to spend money to see to it that this country does not develop properly. Is the Government prepared to look into this aspect, and try to help the completion of the Narmada Project?...*(Interruptions)*...

PROF. SAIF-UD-DIN SOZ: Sir, hon. Manohar Joshiji is right when he says rehabilitation has-been done properly in Maharashtra. By and large, he is correct. In Maharashtra, even in Gujarat, rehabilitation has been done to a large extent, properly. But, as for rehabilitation in Madhya Pradesh, it is not only the responsibility...*(Interruptions)*...

श्री प्यारे लाल खंडेलवालः गलत बात है ....(**व्यवधान**)...

प्रो0 सैफुद्दीन सोज़ः मुझे जवाब देने दीजिए । As for rehabilitation in Madhya Pradesh, it is not only the duty of Madhya Pradesh, it is also incumbent upon the Gujarat administration to help Madhya Pradesh so that proper rehabilitation is done. There are grey areas in Madhya Pradesh, and that will be looked into by the Committee.

As for America or other foreign elements, I have no information. But, I have this information that when I, along with two members of the Cabiner, visited so many areas, I found them they are Indians; they are poor people; they are *adivasis.* It is their fundamental right to seek proper...*(Interruptions)...* Sir, I have not completed ...*(Interruptions)...* It is their fundamental right to seek proper rehabilitation. Rehabilitation is a fundamental right as far as they are concerned. Therefore, I would like to ...*(Interruptions)* I have not completed. *(Interruptions)*

श्री रवि शंकर प्रसादः यह एक गम्भीर विषय है, वे देश के मंत्री है ....(**व्यवधान**)... वह नहीं बोल रहे हैं ....(**व्यवधान**)... सिर्फ रिहैबिलिटेशन की बात कर रहे हैं ....(**व्यवधान**)... उन्होंने एक बार नहीं कहा कि ....(**व्यवधान**)...

PROF. SAIF-UD-DIN SOZ: I have not completed. *(Interruptions)* have not completed the answer. ...*(Interruptions)*..

श्री सभापति : उन्हें जवाब देने दीजिए।....(**व्यवधान**)...

प्रो0 सैफुद्दीन सोज़ः मुझे जवाब देने दीजिए....(**व्यवधान**)...

پروفیسر سیف الدین سوز: مجھے جواب دینے دیجئے...مداخلت...

श्री सभापति : उन्हें जवाब देने दीजिए....(**व्यवधान**)...

प्रो0 सैफुद्दीन सोज़ः पहले मेरी बात पूरी सुनिए ....(**व्यवधान**)...

پروفیسر سیف الدین سوز: پہلے میری بات پوری سنئے...مداخلت...

श्री सभापति : इससे समस्या का कोई समाधान नहीं होगा....(**व्यवधान**)... आप जवाब देने दीजिए ....(**व्यवधान**)... वे बोल रहे हैं ....(**व्यवधान**)...

प्रो0 सैफुद्दीन सोज़ः अभी मैंने पूरा कहां किया है ....(**व्यवधान**)...

پروفیسر سیف الدین سوز: ابھی میں نے پورا کہاں کیا ہے...مداخلت...

† [ ]Transliteration in Urdu Script.

MR. CHAIRMAN: Please take your seats ...*(Interruptions)*... Lwon't allow ...*(Interruptions)*... आप बैठिए ....(**व्यवधान**)...

प्रो0 सैफुद्दीन सोज़: सर, मैं आपके माध्यम से इस august body से यह कहना चाहता हूं कि गवर्नमेंट की यह position है। ऑनरेबल प्राइम मिनिस्टर की और मेरी, Water Resources Minister की हैसियत से पूरी गवर्नमेंट की यह राय है कि जहां तक बांध को ऊपर उठाने का ताल्लुक है, वह उठना चाहिए।

It has a very rich irrigation potential; because of hydroelectric power .*(Interruptions)*...

پروفیسر سیف الدین سوز: سر، میں آپ کے مادھیم سے اس august body سے یہ کہنا چاہتا ہوں کہ گورنمنٹ کی یہ Petition ہے۔ آرنریبل پرائم منسٹر کی اور میری، Water Resources Minister کی حیثیت سے پوری گورنمنٹ کی یہ رائے ہے کہ جہاں تک باندھ کو اوپر اٹھانے کا تعلق ہے، وہ اٹھنا چاہئے۔ It has a very rich irrigation potential; because of hydroelectric power ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: ठीक है, ठीक है ....(**व्यवधान**)... बोलने दीजिए ....(**व्यवधान**)... माननीय सदस्य, आप क्या कर रहे हैं ....(**व्यवधान**)...

प्रो0 सैफुद्दीन सोज़: पहले मेरी बात सुनिए ....(**व्यवधान**)...

پروفیسر سیف الدین سوز: پہلے میری بات سنئے ...مداخلت...

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: You have misled the House. I charge you that you have misled the House. *(Interruptions)* Do not mislead the House. *(Interruptions)* I repeat it. Do not mislead the House. *{Interruptions)*

प्रो0 सैफुद्दीन सोज़: मेरी position यह है कि Development is important, but rehabilitation and resettlement of affected families are also important. You have to have a balance. Am I wrong there? Development is important and rehabilitation is also important. *(Interruptions)*

श्री सभापति: देखिए, मैं आपको allow नहीं करूंगा ....(**व्यवधान**)... अगर आप ऐसा करेंगे, तो मैम अगला क्वैश्चन ले लूंगा ....(**व्यवधान**)... श्रीमती वृंदा कारत

† [ ] Transliteration in Urdu Script.

श्रीमती वृंदा कारतः सर, मैं यह कहना चाहती हूं कि विकास ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : सभी मध्य प्रदेश के है ....(**व्यवधान**)... नहीं, वह ठीक है ....(**व्यवधान**)... कोई मध्यम प्रदेश के हैं या नहीं है, सभी पूरे कंट्री के है ....(**व्यवधान**)... मैं यह allow नहीं करूंगा ....(**व्यवधान**)... Please take your seats. आप क्वैश्चन करने दीजिए....(**व्यवधान**)... आप बैठिए, मैं allow करूंगा ....(**व्यवधान**)... Nothing will go on record, this much I can say ....(Interruptions)... Please take your seats ...(Interruptions)... कोई रेकार्ड पर नहीं जाएगा ....(**व्यवधान**)...

SHRI PENUMALLI MADHU:*

श्री जयन्ती लाल बरोट: *

श्री प्यारे लाल खंडेलवाल: *

श्रीमती वृंदा कारतः सर, मैं यह कहना चाहती हूं कि हमारे आदरणीय सदस्य ने कहा कि मैं मध्य प्रदेश नहीं गई हूं, इसलिए मुझे खड़े होकर आदिवासियों के बारे में नहीं कहना चाहिए।

श्री सभापति : आप इसे छोडिए। आप इसे छोडिए आप गई है या नहीं गई है।

श्रीमती वृंदा कारत: मैं कितनी बार गई हूं, मैं उनको बता दूंगी। लेकिन ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आप बैठ जाइए ....(**व्यवधान**)... Please take your seats. देखिए, ऐसा मत कीजिए ....(**व्यवधान**)... कोई रेकार्ड पर नहीं जाएगा ....(**व्यवधान**)... एक मिनट, ठहरिए....(**व्यवधान**)... अगर ये मध्य प्रदेश ज्यादा जाएंगी, तो आपके लिए परेशानी खडी होगी ....(**व्यवधान**)...

श्रीमती वृंदा कारतः थैक्यू सर। सर, मैं यह कहती हूं ....(**व्यवधान**)... सर, मैं यह कहना चाहती हूं कि विकास ने नाम पर गरीब किसान और आदिवासियों की छातियों पर बुलडोजर चला कर यह देश महान नहीं हो सकता , मैं अपने प्रिय बंधुओं को बताना चाहती हूं। सर, मैं यह भी कहना चाहती हूं कि ....(**व्यवधान**)... सर, मैं यह भी कहना चाहती हूं कि....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप सवाल पूछिए।

श्रीमती वृंदा कारतः सर, मैं कहना चाहती हूं कि मंत्री जी का जो जवाब है, यह जवाब जैसे ताजा घाव पर कोई लाल मिर्च छिड़क रहा हो या नमक छिड़क रहा हो, ऐसा इनका जवाब है। इनके जवाब में जितने आपसी मतभेद हैं, मैं मंत्री जी को यह कहना चाहती हूं कि

* Not Recorded

एक तरफ जवाब में उन्होंने कहा कि पुनर्वास संतोषजनक हो गया, दूसरी तरफ खुद मंत्री जी के जीओएम वहां जाकर रिपोर्ट देते हैं कि पुनर्वास कतई संतोषजनक नहीं है। आज जवाब में ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आप क्या पूछना चाहती है?

श्रीमती वृंदा कारतः सर, प्लीज मुझे बोलने दीजिए....(**व्यवधान**)... यह सरासर इस हाउस को इस जवाब के द्वारा मिसलीड कर रहे हैं, लीपा-पोती कर रहे हैं, बता नहीं रहे हैं कि 110 मीटर तक ....(**व्यवधान**)... 10 हजार परिवारों का पुनर्वास नहीं हुआ है। ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : ठीक है। Please take your seat

श्रीमती वृंदा कारतः सर, इन्होंने अभी जो शुंगलू कमेती बनायी है, वह इसलिए कि पुनर्वास नहीं हुआ है। ....(**व्यवधान**)... पहली बात।

श्री सभापति : आप क्वेश्चन करिए, आप क्वेश्चन करिए।

श्रीमती वृंदा कारतः पुनर्वास नहीं हुआ, इसलिए शुंगलू कमेटी बनायी और दूसरी बात....

श्री सभापति : दूसरी बात नहीं, क्वेश्चन करिए। ....(**व्यवधान**)...

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN: What is going on in this House? They will not put a question. Their Leader will not put questions here. How can they ask? They want to put a supplementary in this House! *(Interruptions)*

श्री सभापति : आप क्वेश्चन करिए ....(**व्यवधान**)... आप बैठिए ....(**व्यवधान**)... मैं अलाउ कर रहा हूम, आप क्वेश्चन करिए।

श्रीमती वृंदा कारतः मैं कैसे बोलूं जब इतना इंटरप्शन होगा। ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप का रिकॉर्ड नहीं हो रहा है। आप बैठ जाइए। ....(**व्यवधान**)... आप कवैश्चन करिए।

श्रीमती वृंदा कारतः यह क्या साबित करना चाहते है? क्या भारतीय जनता पार्टी आदिवासियों के पुनर्वास के पक्ष में नहीं हैं। ....(**व्यवधान**)... सर, शुंगलू कमेटी की जो टर्म्स ऑफ रेफरेंस है ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : एक क्वेश्चन तो करने दो। ....(**व्यवधान**)...

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN: They will not put a supplementary in this House. We will not permit them. What is this? *(Interruptions)* This House will not go on like this. Question Hour will not go on like this. *(Interruptions)*

SHRIMATI BRINDA KARAT: Sir, make them sit down. This House cannot go on like this. *(Interruptions)*

श्री सभापतिः माननीय सदस्य, कोई रिकॉर्ड में नहीं जाएगा। आप बैठिए ....(**व्यवधान**)...

श्रीमती वृंदा कारतः इसका क्या मतलब है?

श्री सभापति :

माननीय सदस्य बैठिए । एक मिनट ....(**व्यवधान**)... आप बैठिए। मैं खड़ा हूं। आप बोल रहे हैं। ....(**व्यवधान**)... आप मुझे जवाब दे रहे हैं? बैठ जाइए। माननीय सदस्य, एक मिनट आप बैठिए। ....(**व्यवधान**)... देखिए क्वैश्चन है, अगर आप ज्यादा चाहेंगे तो ज्यादा मेंबर बोलेंगे। अब इस में दो या तीन क्वैश्चंस और पूछ सकते हैं। अगर आप चाहते हैं और चर्चा हो तो हाफ एन आवर डिस्क्शन क्लेम करिए, उस पर नेक्स्ट सेशन में चर्चा हो जाएगी। अब जहां तक क्वैश्चन आया, आप ने क्वैश्चन पूछा तो कोई मध्य प्रदेश का होकर ही क्वैश्चन पूछेगा, ऐसी बात नहीं है। मैं राजस्थान का होते हुए भी क्वैश्चन कर सकता हूं, कोई बंगाल का होते हुए भी नाम दे सकता है। इसलिए आप उन्हें क्वैश्चन पूछने दीजिए। ....(**व्यवधान**)...

श्री विनय कटियार*

श्री सभापति : सभी बहस कर रहे हैं।

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN:*

MR. CHAIRMAN: Please take your seat. *(Interruptions)*

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN:*

MR. CHAIRMAN: Mr. Vijayaraghavan, please take your seat. *(Interruptions)*

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN:*

श्री सभापतिः आप बैठिए, Please take your seat. कोई रिकॉर्ड नहीं होगा। Mr. Raghavan, please take your seat. आप क्वैश्चन कर लीजिए।

* Not Recorded

श्री विनय कटियार:*

श्री सभापति: आप उन्हें क्वैश्चन करने दीजिए। ....(**व्यवधान**)... कोई रिकार्ड पर नहीं जाएगा । Let him finish the question . आप बैठिए। Please take your seat. अब आप सीधा क्वैश्चन कर लीजिए। ....(**व्यवधान**)...

श्रीमती वृंदा कारतः थेंक्यू सर। सर, मैं आप से इजाजत लेती हूं, आप के सामने सिर झुकाती हूं, लेकिन इन के सामने कभी नहीं झुकाऊंगी। ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप क्वैश्चन कर लीजिए ....(**व्यवधान**)... आप इन्हें बोलने तो दो ....(**व्यवधान**)... आप इन्हे क्वैश्चन तो करने दो। ....(**व्यवधान**)... बैठिए, बैठिए। ....(**व्यवधान**)... आप क्वैश्चन कर लीजिए। ....(**व्यवधान**)...

श्रीमती वृंदा कारतः सर, क्या यह बात सच है कि नहीं ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आपका क्वैश्चन क्या है? ....(**व्यवधान**)... आप बैठिए, बैठिए। ....(**व्यवधान**)... आप बैठिए ....(**व्यवधान**)... इतनी देर में तो बहुत से क्वैश्चन हो जाते । ....(**व्यवधान**)... ठीक है। Please take your seat. ....(**व्यवधान**)... क्वैश्चन क्या है आपका?

श्रीमती वृंदा कारतः सर, क्या यह सच है कि नहीं कि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि किसी विस्थापन के पहले , विस्थापित होने वाले तमाम परिवारों को परिवारों को अल्टरनेटिव जमीन की साइट पर बसाकर ही कोई कार्य हो सकता है? ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : सवाल किसी का नहीं है ....(**व्यवधान**)... आप कौन-सा सवाल कर रहे है? ....(**व्यवधान**)... आप कौन-सा सवाल कर रहे है? ....(**व्यवधान**)... आप बैठ जाओ, क्वेश्चन यूं ही खत्म हो गया। ....(**व्यवधान**)... आप पूछिए, क्या पूछना है। ....(**व्यवधान**)... आप जल्दी खत्म करिए ....(**व्यवधान**)... आप अपना क्वैश्चन जल्दी खत्म करिए। ....(**व्यवधान**)...

श्रीमती वृंदा कारतः सर, इस सम्बन्ध में, सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के सम्बन्ध में, शुंगलू कमेटी की जो टर्म्स और ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आप उन पर मत जाइए। ....(**व्यवधान**)... जो बहुत पुरानी बातें है, उन पर मत जाइए। ....(**व्यवधान**)...

---

* Not Recorded

श्रीमती वृंदा कारतः महोदय, ...(**व्यवधान**)... कि वो अगस्त्त महिने तक टले, ...(**व्यवधान**)... क्या यह उस रिकमेंडेशन की खुलेआम धज्जियां उड़ाने वाली बात है? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : बोलिए, मंत्री महोदय।
...(**व्यवधान**)...

प्रो0 सैफुद्दीन सोज़ः सर, जहां तक ऑनरेबल मैम्बर वृंदा कारत जी का सवाल है कि सुप्रीम कोर्ट ने पुनर्वास के लिए क्या आदेश दिए हैं, मेरे पास हैं वे ...(**व्यवधान**)... मगर, सुनिए। ...(**व्यवधान**)...

†**پروفیسر سیف الدین سوز:** سر، جہاں تک آنریبل ممبر ورنداکرات جی کا سوال ہے کہ سپریم کورٹ کے پنرواس کے لئے کیا آدیش دئے ہیں، میرے پاس ہیں وہ ...مداخلت... مگر، سنئے۔ ...مداخلت...

श्रीमती वृंदा कारतः मैंने यह नहीं कहा, सर। मैंने कहा कि छः महीने पूर्व विस्थापन के कुल ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : क्वैश्चन नहीं, जवाब देने दीजिए। ...(**व्यवधान**)... आप जवाब दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

प्रो0 सैफुद्दीन सोज़ः मैं जवाब दे रहा हूं।

†**پروفیسر سیف الدین سوز:** میں جواب دے رہا ہوں۔

श्री सभापति : आप जवाब दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

प्रो0 सैफुद्दीन सोज़ः जनाबेवाला, सुपीर्म कोर्ट ने इतना ही नहीं कहा कि उनको छः महीने पहले बसाया जाना चाहिए, बल्कि सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि पहले जहां वे रहते थे, उससे बेहतर जगह उन्हों देनी चाहिए। यह उनका फंडामेंटल राइट है। अब सवाल यह है कि मैंने अपने जवाब में कोई अन्तर या तब्दीली नहीं लाई। जो मध्य प्रदेश गवर्नमेंट कहती है, वह सदन के सामने रखना है कि पुनर्वास का काम पहले भी हुआ है और जब 121.92 मीटर तक बांध चढ़ेगा, उस वक्त भी पुनर्वास की पूरी तैयारी है, सब ठीक –ठाक है। लेकिन खुशकिस्मती यह है कि हम जम्हूरियत हैं। यहां कोर्ट देखती है, पार्लियामेंट देखती है, वहां आपका नुमाइंदा, मैं भी देखता हूं, इसलिए अगर मध्य प्रदेश में पुनर्वास का काम ठीक से नहीं होगा, तो शुंगलु कमेटी कुछ इस देश

† [ ] Transliteration in Urdu Script.

को बताएगी। वह सुप्रीम कोर्ट के पास जाएगी आपके पास भी मैं सामने आ जाउंगा। और यह हाऊस जो है, सुप्रीम है, आप जो चाहेंगे, जो इंफॉर्मेशन , मैं टेबल पर रखने के लिए तैयार हूं। ...(**व्यवधान**)...

†**پرو فیسر سیف الدین سوز:** جناب عالی ، سپریم کورٹ نے اتنا ہی نہیں کہا ان کو چھ مہینے پہلے بسایا جانا چاہئے بلکہ سپریم کورٹ نے یہ بھی کہا کہ پہلے جہاں وہ رہتے تھے، اس سے بہتر جگہ انہیں دینی چاہئے۔ یہ ان کا فنڈامینٹل رائٹ ہے۔ اب سوال یہ ہے کہ میں نے اپنے جواب میں کوئی انتریا تبدیلی کی۔ جو مدھیہ پردیش گورنمنٹ کہتی ہے، وہ سدن کے سامنے رکھنا ہے پنرواس کا کام پہلے بھی ہوا ہے اور جب ۹۲. ۱۲۱ میٹر تک باندھ چڑھے گا، اس وقت بھی پنرواس کی پوری تیاری ہے، سب ٹھیک ٹھاک ہے۔ لیکن خوش قسمتی یہ ہے ہم جمہوریت ہیں۔ یہاں کورٹ دیکھتی ہے، پارلیمنٹ دیکھتی ہے، وہاں آپ کا نمائندہ ، میں بھی دیکھتا ہوں، اس لئے اگر مدھیہ پردیش میں پنرواس کا کام ٹھیک سے نہیں ہوگا، تو شنگھلو کمیٹی کچھ اس دیش کو بتائے گی۔ وہ سپریم کورٹ کے پاس جائے گی آپ کے پاس بھی میں سامنے آجاؤں گا۔ اور یہ ہاؤس جو ہے، سپریم ہے، آپ جو چاہیں گے، جو انفار مینشن ہے، میں ٹیبل پر رکھنے کے لئے تیار ہوں ...مداخلت...

श्रीमती वृंदा कारतः उस वक्त इसका क्या फायदा, जब मरीज मर जाएगा ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : नेक्स्ट क्वैश्चन -544 ...(**व्यवधान**)... श्री बशिष्ठ नारायण सिंह ...(**व्यवधान**)...

प्रो. अलका क्षत्रियः सर, गुजरात का सवाल है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : अब इस बार तो खत्म हो गया। ...(**व्यवधान**)...

एक माननीय सदस्य: सर, इसका जवाब कब मिलेगा? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : अगले सैशन में जवाब मिलेगा। ...(**व्यवधान**)...

प्रो. अलका क्षत्रियः सर, गुजरात का सवाल है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आप बैठ जाइए ...(**व्यवधान**)... आप ही की पार्टी के सदस्य हैं, उनका ही यह क्वैश्चन है। ...(**व्यवधान**)... बैठिए ...(**व्यवधान**)... श्री बशिष्ट नारायण सिंह ...(**व्यवधान**)...

† [ ]Transliteration in Urdu Script.

प्रो. अलका क्षत्रियः गुजरात का सवाल है, ...(**व्यवधान**)... इस पर नहीं बोलने देंगे, तो कैसे चलेगा सर ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप क्वेश्चन करिए। ...(**व्यवधान**)... कोई जवाब अभी नहीं आएगा। ...(**व्यवधान**)... न तो कोई जवाब मैं पूछंगा और न ही वह रिकॉर्ड में जाएगा ...(**व्यवधान**)...

श्री रामदास अग्रवाल:*

श्री सुरेन्द्र लाठ:*

श्री जयन्ती लाल बरोट:*

प्रो. अलका क्षत्रिय :*

श्री सभापति : मैं नहीं पूछूंगा, ...(**व्यवधान**)... आप बैठ जाइए, वह रिकॉर्ड में नहीं जाएगा ...(**व्यवधान**)... आप यह मत करिए ...(**व्यवधान**)... श्री बशिष्ठ नारायन सिंह ...(**व्यवधान**)... बैठ जाइए, कोई नहीं ...(**व्यवधान**)...

प्रो0 अलका क्षत्रिय:*

श्री सभापतिः आपके कहने का क्या मतलब है ...(**व्यवधान**)... क्या आप यह क्वेश्चन आवर नहीं चलने देना चाहती हैं? ...(**व्यवधान**)... Please take your seat. ...(**व्यवधान**)... मैं आपको वार्न कर रहा हूं, आप सीट पर बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)...

श्री जयन्ती लाल बरोट : **$**

श्री सभापतिः मैं आपकी बात नहीं सुनूंगा, आप बैठ जाइए...(**व्यवधान**)... नहीं सुनूंगा, दूसरा क्वेश्चन मैंने पुकार लिया ...(**व्यवधान**)... अब यह नहीं होगा ...(**व्यवधान**)...

श्री जयन्ती लाल बरोट:**$**

प्रो0 अलका क्षत्रिय :**$**

श्री सभापति : कोई रिकॉर्ड नहीं हो रहा है, आप कहते जाओ.(**व्यवधान**)... कोई रिकॉर्ड नहीं हो रहा है ...(**व्यवधान**)... कोई रिकॉर्ड नहीं होगा ...(**व्यवधान**)... मैंने दूसरा

---

* Not Recorded
$ Not Recorded

क्वैश्चन पुकार लिया है, वे बोलेंगे, उसका जवाब होगा। ...(**व्यवधान**)... आप ठहर जाइए...(**व्यवधान**)...

श्रीमती माया सिंह:+

श्री सभापति : नहीं इस क्वैश्चन पर नहीं, दूसरे क्वैश्चन पर पूछिए, ...(**व्यवधान**)... दूसरे क्वैश्चन पर आप पूछिए, इस पर मैं अलाऊ नहीं करूंगा। ...(**व्यवधान**)... मैने दूसरा क्वैश्चन पुकार लिया है ...(**व्यवधान**)...

जल स्त्रोतों की मरम्मत, नवीकरण और उन्हें पुनः चालू करने की राष्ट्रीय परियोजना

*544 **श्री बशिष्ठ नारायण सिंह**: क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) जल स्त्रोतों की मरम्मत, नवीकरण और उन्हें पुनः चालू करने के लिए आरंभ की गई राष्ट्रीय परियोजना का ब्यौरा क्या है;

(ख) इस प्रयोजनार्थ आरंभ की गई प्रायोगिक परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार इस योजना का विस्तार पूरे देश में करने पर विचार कर रही है; और

(घ) उक्त योजना का समुचित कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने क्या उपाय किए हैं?

जल संसाधन मंत्री (**प्रो0 सैफुद्दीन सोज़**): (क) से (घ) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) " कृषि से सीधे तौर पर जुड़े जल निकायों की मरम्मत , नवीकरण और पुनरूद्वार संबंधी राष्ट्रीय परियोजना प्रायोगिक परियोजना के रूप में जनवरी , 2005 ,स्वीकृत की गई थी। यह परियोजना राज्यों के एक या दो जिलों में कार्यान्वित की जानी है । दसवीं पंचवर्षीय योजना की शेष अवधि में कार्यान्वित की जाने वाली स्कीम का कुल योजना परिव्यय 300 करोड़ रुपए

* Not Recorded